Name of the Programme- M.A. in Sanskrit

Semester-1
Paper-1
Course Code SAN-501
Core Course
Title of Course - ऋग्वैदिक सूक्त

इकाई –1– सवितृसूक्त 1/35, मरुत सूक्त 1/85, 12 अंक

इकाई–2– रुद्र सूक्त 2/33 मित्र सूक्त 3/59 उषस् सूक्त 4/51, 12 अंक

इकाई–3– मित्रावरूणौ सूक्त 7/61, अश्विनौ 7/71, वरुण सूक्त 7/86, 12 अंक

इकाई–4– अक्ष सूक्त 10/34, सृष्टि सूक्त 10/129 12 अंक

इकाई –5– पदपाठ, स्वरांकन एवं व्याकरणत्मक टिप्पणियॉ 12 अंक

Paper II
Course Code- SAN-502
Core Course
Title of Course –पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश

पालि प्राकृत अपभ्रंश संग्रह पुस्तक के निम्नलिखित अंश

इकाई –1– मायादेविया सुपिनम्, गोतमस्स उप्पादो, महाभिनिक्खमनम्, बावेरुजातकम्,

जवसकुणजातकम् ससजातकम्, निग्गोध मिगंजातकम् –पालि 12 अंक

इकाई–2– धम्मपदसंगहो, धनियसुत्तं, महापजापतिगोतमीगाथा, मालुक्यपुत्तगाथा, आशोकाभिलेख,

पटिच्चसमुत्पादो,अनत्तवादो – पालि 12 अंक

इकाई–3– गाहासतसई, स्वप्नवासवदत्तम्, कर्पूरमंजरी की प्राकृतें 12 अंक

इकाई–4– मृच्छकटिकम्, वसुदत्तकथा की प्राकृतें 12 अंक

इकाई –5– अपभ्रंश मुक्तक संग्रह तथा भाषा वैज्ञानिक टिप्पणी 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Paper III
Course Code- SAN-503
Core Course
Title of Course – भारतीय दर्शन – न्याय एवं वेदान्त

तर्कभाषा– प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाणपर्यन्त

इकाई –1– कारण लक्षण पर्यन्त	12 अंक
इकाई –2– प्रमाण लक्षण, प्रत्यक्ष प्रमाण	12 अंक

वेदान्तसार–

इकाई –3– खण्ड सं0 1 से 10 तक	12 अंक
इकाई –4– खण्ड सं0 11 से 35 तक	12 अंक
इकाई –5– खण्ड सं0 36 से 59 पर्यन्त	12 अंक

Paper IV
Course Code- SAN-504
Title of Course – संस्कृत व्याकरण

लघुसिद्धान्त कौमुदी के अधोलिखित प्रकरण

इकाई –1– अजन्त पुंलिंग–राम, सर्व, विश्वपा,हरि,,सखि, पति शब्दों की साधनिका प्रक्रिया	12 अंक
इकाई –2– अजन्त स्त्रीलिंग रमा, मति, गौरी, श्री एवं नपुंसक लिंग ज्ञान, वारि, दधि शब्दों की साधनिका प्रक्रिया	12 अंक
इकाई –3 – विश्ववाह्, इदम्,राजन्,मघवन्,त्रि, चतुर् शब्दों की साधनिका प्रक्रिया	12 अंक
इकाई –4– भू धातु – लट्, लृट्, लकारों में रूप सिद्धि प्रक्रिया	12 अंक
इकाई –5–एध् धातु– लट्,, लृट लकारों में रूप सिद्धि प्रक्रिया	12 अंक

Paper V
Course Code- SAN-505
Title of Course – संस्कृत काव्यशास्त्र

1– काव्य प्रकाश

इकाई 1– प्रथम, द्वितीय उल्लास	12 अंक
इकाई 2– तृतीय, चतुर्थ उल्लास	12 अंक
इकाई 3– नवम उल्लास	12 अंक
इकाई 4– काव्य प्रकाश – दशम उल्लास उपमालङ्कार से अतिशयोक्ति पर्यन्त	12 अंक
इकाई 5– काव्यप्रकाश – दशम उल्लास प्रतिवस्तूपमालङ्कार से पर्यायोक्त पर्यन्त	12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester-2

Paper I

Course Code -SAN-506

Core Course

Title of Course – निर्वचन एवं ऋग्वेदभाष्य भूमिका

निरुक्त प्रथम अध्याय एवं ऋग्वेद भाष्य भूमिका

इकाई – एक–	निरुक्त प्रथम अध्याय– प्रथम पाद	12 अंक
इकाई – दो–	निरुक्त प्रथम अध्याय– द्वितीय पाद	12 अंक
इकाई – तीन–	निरुक्त प्रथम अध्याय– तृतीय तथा चतुर्थ पाद	12 अंक
इकाई – चार–	निरुक्त प्रथम अध्याय– पंचम तथा षष्ठ पाद	12 अंक
इकाई– पॉच–	ऋग्वेदभाष्य भूमिका	12 अंक

Paper II

Course Code- SAN-507

Core Course

Title of Course – भाषा विज्ञान

Course–भाषा विज्ञान

इकाई- एक १२ अंक

भाषा-विज्ञान का सामान्य परिचय- विकास, उपयोगिता एवं उसके विवेच्य विषय (प्रमुख अंग तथा गौण अंग), प्राचीन भारत में भाषा-वैज्ञानिक-कार्य, भाषा की परिभाषा एवं भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त ।

इकाई- दो १२ अंक

ध्वनि-विज्ञान का सामान्य-परिचय, संस्कृत-ध्वनियों का स्वरूप, स्थान एवं प्रयत्न, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, ध्वनि-नियम-ग्रिम, ग्रासमान एवं वर्नर ।

इकाई- तीन १२ अंक

अर्थ-विज्ञान का सामान्य-परिचय, अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, आषिक-वर्गीकरण- आकृति-मूलक एवं पारिवारिक-वर्गीकरण की सामान्य रूपरेखा ।

इकाई- चार १२ अंक

भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय तथा विशेषताएँ, शतम एवं केंतुम, शतम एवं केंतुम के आधार पर भारोपीय परिवार का वर्गीकरण, भारत-ईरानी परिवार का सामान्य परिचय ।

इकाई- पॉच १२ अंक

संस्कृत का क्रमिक विकास - प्राचीन भारतीय (वैदिक एवं लौकिक आर्य-भाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा (पालि , प्राकृत एवं अपभ्रंश) का सामान्य-परिचय ।

Scanned with OKEN Scanner

Paper III
Course Code -SAN-508
Title of Course – भारतीय दर्शन – न्याय एवं सांख्य

तर्कभाषा– अनुमान प्रमाण से प्रमाण निरूपणान्त

इकाई – एक– अनुमान प्रमाण, हेत्वाभास — 12 अंक

इकाई – दो– उपमान , शब्द प्रमाण का निरूपण एवं अन्य प्रमाणों का खण्डन — 12 अंक

सांख्य तत्त्वकौमुदी

इकाई – तीन– कारिका 1 से 10 तक — 12 अंक

इकाई – चार– कारिका 11से 20 तक — 12 अंक

इकाई– पाँच–
कारिका 21से 30 तक — 12 अंक

Paper IV
Course Code- SAN-509
Title of Course – संस्कृत व्याकरण

लघुसिद्धान्त कौमुदी के निम्नांकित प्रकरण

इकाई – एक– पूर्व कृदन्त — 12 अंक

इकाई – दो– उत्तर कृदन्त — 12 अंक

इकाई – तीन– तद्धित प्रत्यय– शैषिक प्रकरण पर्यन्त — 12 अंक

इकाई – चार– महाभाष्य पस्पशाह्निक प्रयोजन निरूपण पर्यन्त — 12 अंक

इकाई– पाँच– महाभाष्य – पस्पशाह्निक का शेष भाग — 12 अंक

Paper V
Course Code-SAN-510
Title of Course – काव्य शास्त्र एव प्रकरण

ध्वन्यालोक

इकाई – एक– प्रथम उद्योत कारिका 13 तक — 12 अंक

इकाई – दो – प्रथम उद्योत कारिका 14 से समाप्ति तक — 12 अंक

इकाई – तीन – चतुर्थ उद्योत — 12 अंक

इकाई – चार– मृच्छकटिकम् अंक 1 से 4 तक — 12 अंक

इकाई– पाँच– मृच्छकटिकम् अंक 5 से 10 तक — 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Name of the Programme- M.A. in Sanskrit

Semester-3

Elective Course (Group A - Veda)

Paper I

Course Code SAN-551

Title of Course – ऋग्वेद द्वितीय मण्डल – के चयनित सूक्त

ऋग्वेद द्वितीय मण्डल के चयनित सूक्त

इकाई –1	सूक्त संख्या 1, 2, 3, 4, 5	12 अंक
इकाई–2	सूक्त संख्या 6, 7, 8, 9, 10, 11	12 अंक
इकाई–3	सूक्त संख्या 12,23, 33, 35, 38	12 अंक
इकाई–4	व्याकरणात्मक टिप्पणी	12 अंक
इकाई–5	वैदिक स्वरांकन एवं पदपाठ	12 अंक

Paper II

Course Code- SAN-552

Title of Course – (i) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता,)

(ii) वाजसनेयि प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3तक)

शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता,)

इकाई –1	शुक्ल यजुर्वेद संहिता – प्रथम अध्याय	12 अंक
इकाई–2	शुक्ल यजुर्वेद संहिता – द्वितीय अध्याय	12 अंक

वाजसनेयि प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3तक)

इकाई–3	वाजसनेयि प्रातिशाख्य – प्रथम अध्याय	12 अंक
इकाई–4	वाजसनेयि प्रातिशाख्य द्वितीय अध्याय	12 अंक
इकाई–5	वाजसनेयि प्रातिशाख्य तृतीय अध्याय	12 अंक

Paper III

Course Code SAN-553

Title of Course –प्रातिशाख्य

इकाई 1–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य प्रथम पटल	12 अंक
इकाई 2–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य द्वितीय पटल	12 अंक
इकाई 3–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य तृतीय पटल	12 अंक
इकाई –4	ऋग्वेद प्रातिशाख्य षष्ठ पटल	12 अंक
इकाई –5	समीक्षात्मक प्रश्न	12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Name of the Programme- M.A. in Sanskrit

Semester-3
Elective Course (Group B - Literature)
Paper I
Course Code SAN-554
Title of Course – काव्य शास्त्र

काव्यप्रकाश के निम्नलिखित उल्लास–

इकाई 1–	पंचम उल्लास	12 अंक
इकाई 2–	षष्ठ उल्लास	12 अंक
इकाई 3–	सप्तम उल्लास	12 अंक
इकाई 4–	अष्टम उल्लास	12 अंक
इकाई 5–	काव्य मीमांसा – प्रथम परिच्छेद	12 अंक

Paper II
Course Code SAN-555
Title of Course – नाट्यशास्त्र

दशरूपक

इकाई 1– प्रथम प्रकाश	12 अंक
इकाई 2– द्वितीय प्रकाश	12 अंक
इकाई 3– तृतीय प्रकाश	12 अंक
इकाई 4– चतुर्थ प्रकाश	12 अंक
इकाई 5– समीक्षात्मक प्रश्न	12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Paper III
Course Code- SAN-556
Title of Course – महाकाव्य

नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग

इकाई 1– 1 से 50 श्लोक तक — 12 अंक
(हिन्दी अनुवाद संस्कृत व्याख्या)

इकाई 2– — 12 अंक
(हिन्दी अनुवाद 51 से सर्गान्त तक)

इकाई 3– आलोचनात्मक प्रश्न — 12 अंक

शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग

इकाई 4– प्रथम सर्ग (हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत व्याकरण) — 12 अंक

इकाई 5– आलोचनात्मक प्रश्न — 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Name of the Programme- M.A. in Sanskrit

Semester-3
Elective Course (Group D –Philosophy)
Paper I
Course Code -SAN-557
Title of Course – न्याय दर्शन

न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित– प्रथम अध्याय

इकाई	1– प्रथमाह्निक सूत्र 1 से 9 तक	12 अंक
इकाई	2– प्रथमाह्निक सूत्र 10 से 30 तक	12 अंक
इकाई	3– प्रथमाह्निक सूत्र 31 से 41 तक	12 अंक
इकाई	4– आह्निक–2 सूत्र 1 से 9 तक	12 अंक
इकाई	5– आह्निक–2 सूत्र 10 से पादान्त तक	12 अंक

Paper II
Course Code SAN-558
Title of Course – योग दर्शन

योगसूत्र– व्यास भाष्य सहित

इकाई	1– समाधिपाद सूत्र 1 से 16 तक	12 अंक
इकाई	2– समाधिपाद सूत्र 17 से 29 तक	12 अंक
इकाई	3– समाधिपाद सूत्र 30 से 40 तक	12 अंक
इकाई	4– समाधिपाद सूत्र 41 से 51 तक	12 अंक
इकाई	5– साधनपाद सूत्र 01से 11 तक	12 अंक

Paper III
Course Code SAN-559
Title of Course – शांकर दर्शन

ब्रह्म सूत्र शांकर भाष्य

इकाई	1– अध्यासभाष्य एव सूत्र स0 1.1.1 एवं स0 1.1.2	12 अंक
इकाई	2– सूत्र स0 1.1.3 एवं 1.1.4 तक	12 अंक
इकाई	3 – सूत्र स0 1.1.5 से 1.1.11 तक	12 अंक
इकाई	4 – पंचदशी प्रकरण 1 एवं 2	12 अंक
इकाई	5– पंचदशी प्रकरण 3 से 5 तक	12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester-3

Paper IV

Core Course Code- SAN-511
Title of Course – व्याकरण एवं मीमांसा शास्त्र

<u>सभी छात्रों के लिये अनिवार्य</u>

इकाई - एक - हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद । १२ अंक

इकाई - दो - पाणिनीय-शिक्षा-हिन्दी व्याख्या एवम आलोचनात्मक प्रश्न । १२ अंक

इकाई - तीन - स्त्री-प्रत्यय (लघुसिद्धान्तकौमुदी) साधनिका एवं सूत्रों की व्याख्या । १२ अंक

इकाई - चार - अर्थसंग्रह- भावना एवं विधि का निरूपण । १२ अंक

इकाई - पाँच - अर्थसंग्रह- मंत्र, निषेध, अर्थवाद, एवं नामधेय का निरूपण। १२ अंक

Paper V

Course Code SAN-512
Title of Course –शिलालेख, भारतीयसंस्कृति तथा दर्शन
<u>सभी छात्रों के लिये अनिवार्य</u>

इकाई 1– शिलालेख– निम्नलिखित शिलालेखों पर आधारित प्रश्न 12 अंक

(i)समुद्रगुप्त का प्रयाग प्रशस्ति स्तम्भ लेख(ii) नृपचन्द्र का मेहरौली स्तम्भ लेख(iii) कुमार गुप्त का मन्दसौर अभिलेख (iv)स्कन्द गुप्त का जूनागढ़ अभिलेख(v) पुलकेशिन् द्वितीय की ऐहोल प्रशस्ति

इकाई 2–प्राचीन भारतीय संस्कृति– शिक्षा, कला, राज्य का स्वरूप, स्त्रियों की दशा, धार्मिक आन्दोलन 12 अंक

इकाई 3– भारतीय दर्शन की विशेषतायें, उपनिषदों में दार्शनिक प्रवृत्तियॉं, 12 अंक

इकाई 4– बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय प्रमुख सम्प्रदाय तथा उनके सिद्धान्त 12 अंक

इकाई 5– जैन दर्शन का सामान्य परिचय (प्रमुख सिद्धान्त), चार्वाक दर्शन 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

(1)

संस्कृत/604/2023
दिनांक 15-5-23

संस्कृत, पालि,प्राकृत एवं प्राच्य भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

वर्ष-2022-2023

विशेषज्ञता – व्याकरणम्

Semester -III

Paper -I

Course Code - SAN-560

Title of Course - वाक्यपदीय एवं पाणिनीय प्रविधि

इकाई - १ - वाक्यपदीय का स्वरूप और वैशिष्ट्य

इकाई -२ - वाक्यपदीय १-४३ कारिकाएं

इकाई -३ - वाक्यपदीय ४४-९२ कारिकाएं

इकाई -४ - पाणिनीय प्रविधि - अष्टाध्यायी संरचना व सूत्र प्रकार

इकाई -५ - सूत्रार्थ प्रकार, अनुवृत्ति विचार, वैकल्पिक विचार

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ

(Text books/Reference/Resources)

1. वाक्यपदीयम्, आचार्य-भर्तृहरिप्रणीतं(प्रथमोभागः,ब्रह्मकाण्डम्–पद्मश्री पण्डितरघुनाथ शर्मा- व्याख्याकारः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वाराणसी- तृतीयं संस्करणम्, 1988
2. व्याकरण की दार्शनिक भूमिका, डॉ. सत्यकाम वर्मा, मुंशीराम मनोहरलाल,नई दिल्ली-६ प्रथम संस्करण, 1971
3. व्याकरण दर्शन को कैयट का योगदान, डा. रामप्रकाश वर्णी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2005
4. पाणिनीय अष्टाध्यायी के रचना सिद्धान्त, डॉ. विशन लाला गौड व्योमशेखर, लोकालोक प्रकाशन, साहिबाबाद, 198
5. Vakyapadiya of Bhartrihari, Edited by K.V.Abyankaran & V.P.Limaye, Poona,1965

30.01.2023 30/1/2023 Jyoti Kapoor

Scanned with OKEN Scanner

6. Vakyapadiya of Bhartrihari, with Vritti & Paddhati, Edited by K.A.Subrahmania Iyer, Poona

Semester -III
Paper -II
Course Code - SAN-561
Title of Course - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – तिङन्त प्रकरण

इकाई – १ – प्रकरणग्रन्थ एवं प्रक्रिया ग्रन्थों का परिचय, वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य

इकाई – २- भ्वादि - (भू, एध्, पठ्) (गम्, दृश्, स्था, वद्, नी इत्यादि अन्य धातुएं अभ्यासार्थ)

इकाई -३ - अदादि - (अद्, अस्), जुहोत्यादि - (हु, भी, दा), दिवादि – (दिव्, जनी, नृत्)

इकाई -४ - स्वादि - (सु, चिञ्), तुदादि - (तुद्, लिख्), रुधादि - (रुध्, भुज्)

इकाई -५ - तनादि – (तन्, कृञ्), क्रयादि – (क्री, ज्ञा) , चुरादि – (चुर्, कथ्)

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ

(Text books/Reference/Resources)

1. गोविन्दाचार्य ,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
2. जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत,हरियाणा
3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996
4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, भट्टोजिदीक्षित, चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990

30.01.2023 30/1/2023 Jyoti Kapoor

Scanned with OKEN Scanner

Semester -III
Paper - III
Course Code - SAN- 562

Title of Course - परमलघुमञ्जूषा एवं वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – कृदन्त प्रकरण

इकाई – १ – परमलघुमञ्जूषा का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य – स्फोट एवं शक्ति स्वरूप, शक्ति नियामक विचार

इकाई -२ - परमलघुमञ्जूषा- लक्षणा विचार, व्यंजना विचार, शाब्दबोध सहकारिकारण विचार

इकाई -३ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – कृत्य प्रकरण

इकाई -४ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – पूर्वकृदन्त प्रकरण

इकाई -५ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – उत्तरकृदन्त प्रकरण

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ
(Text books/Reference/Resources)

1.परमलघुमञ्जूषा, डॉ. जयशङ्करलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1985

2.परमलघुमञ्जूषा, पं. श्रीसदाशिवशास्त्री, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, बनारस सिटी, द्वितीय संस्करण, 1946

3.परमलघुमञ्जूषा, पं. कालिकाप्रसाद शुक्ल, बडौदा संस्कृत महाविद्यालय, महाराजसयाजिरावविश्वविद्यालय, बडौदा, प्रथम संस्करण, 1961

4.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996

5.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (चतुर्थ भाग), म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1989

6. व्युत्पत्तिवाद, गदाधर भट्टाचार्य, भा. डॉ. हरिनारायण तिवारी, चौखम्बा विद्याभवन, 2014

30.01.2023 30/11/2023 Jyoti Kapoor

Scanned with OKEN Scanner

▪ Name of the Programme- M.A. in Sanskrit

▪ Semester-4

• Elective Course (Group A –Veda)

Paper I

Course Code SAN-560

Title of Course –स्वर वैदिकी

वैदिक स्वरप्रक्रिया (सिद्धान्त कौमुदी)

इकाई –1	धातुस्वर (स्वर प्रकरण)	12 अंक
इकाई–2	फिट् सूत्र :	12 अंक
इकाई–3	समासस्वर,	12 अंक
इकाई–4	तिङन्त स्वर	12 अंक
इकाई–5	लेट् लकार, लुङ् लकार, लिट् लकार से सम्बन्धित नियमों का अध्ययन	12 अंक

Paper II

Course Code SAN-561

Title of Course –शतपथ ब्राह्मण

शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड)

इकाई –1	शतपथ ब्राह्मण –व्रतोपायनम्, अपां प्रणयनम्, पात्रासादनम्, हविर्निर्वापः, अवघातः	12 अंक
इकाई –2	शतपथ ब्राह्मण – उत्पवनम्,पेषणम्,कपालोपधानम् ,आज्यनिर्वापः, संयवनम्	12 अंक
इकाई –3	अपां निनयनम्, वेदि निर्माणम् ,पटनीसन्नहम् ,आज्यावेक्षणम् , स्रुक् सम्मार्जनम्	12 अंक
इकाई –4	शतपथ ब्राह्मण में प्रतिपादित कथायें	12 अंक
इकाई –5	शतपथ ब्राह्मण में प्रतिपादित यज्ञ प्रक्रिया एवं इष्टियॉ	12 अंक

Paper III

Course Code SAN-562

Title of Course – अवेस्ता, प्राचीन फारसी शिलालेख तथा निरूक्त

Title of Course – अवेस्ता, प्राचीन फारसी शिलालेख तथा निरूक्त

इकाई –1	बहिस्तुन् शिलालेख प्रथम प्रकोष्ठ	12 अंक
इकाई –2	अवेस्ता हओम यस्त 1 से 16 पर्यप्त	12 अंक
इकाई –3	अवेस्ता हओम यस्त 17 से 32 पर्यप्त	12 अंक
इकाई –4	निरूक्त द्वितीय अध्याय	12 अंक
इकाई –5	निरूक्त सप्तम अध्याय	12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester-4

Elective Course (Group B –Literature)

Paper I

Course Code SAN-563

Title of Course – उपन्यास एवं पद्यरचना

इकाई– 1 – शिवराजविजयम् प्रथमनिःश्वास – (हिन्दी अनुवाद) 12 अंक
इकाई– 2– शिवराजविजयम् प्रथमनिःश्वास – (आलोचनात्मक प्रश्न) 12 अंक
इकाई– 3 – हर्षचरितम्, पञ्चम–उच्छ्वास (हिन्दी अनुवाद) 12 अंक
इकाई 4– वृत्तरत्नाकर तृतीय अध्याय 12 अंक
इकाई –5– संस्कृत पद्यरचना 12 अंक

Paper II

Course Code SAN-564

Title of Course – रसगंगाधर एवं रत्नावली

रसगंगाधर रस प्रकरण पर्यन्त
इकाई 1– प्रारम्भ से ध्वनि भेद तक 12 अंक
इकाई 2– रस प्रकरण समाप्ति पर्यन्त 12 अंक
रत्नावली
इकाई 3– अंक 1 एवं 2 12 अंक
इकाई 4–अंक 3 एवं 4 12 अंक
इकाई –5 समीक्षात्मक प्रश्न 12 अंक

Paper III

Course Code SAN-565

Title of Course – चम्पू एवं गद्यकाव्य

<u>नलचम्पू</u>

इकाई–1 श्लोक 1 से 30 तक (हिन्दी अनुवाद तथा संस्कृत व्याख्या) 12 अंक

इकाई–2 श्लोक 31 से 64 तक(दो पद्यों का हिन्दी अनुवाद) 12 अंक

इकाई–3 आर्यावर्त वर्णन श्लोक 25 से 34 के मध्य स्थित गद्यांश 12 अंक

<u>दशकुमारचरितम्</u>

इकाई–4 दशकुमारचरितम् प्रथम उच्छवास– दो गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद 12 अंक

इकाई–5 दशकुमारचरितम् प्रथम उच्छवास– संस्कृत व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester-4

Elective Course (Group D –Philosophy)

Paper I

Course Code SAN-566

Title of Course – न्याय वैशेषिक दर्शन

न्याय सिद्धान्त मुक्तावली

इकाई–1 पदार्थ एवं कारण का निरूपण — 12 अंक

इकाई–2 अन्यथासिद्ध एवं प्रत्यक्ष प्रमाण का निरूपण — 12 अंक

इकाई–3 लौकिक एवम् अलौकिक सन्निकर्ष — 12 अंक

प्रशस्तपाद भाष्यम्

इकाई–4 आकाश, मनस्, पाकज प्रकिया तथा सृष्टि संहार प्रकिया का निरूपण — 12 अंक

इकाई–5 सामान्य, विशेष एवं समवाय का निरूपण — 12 अंक

Paper II

Course Code SAN-567

Title of Course – प्राक्शंकर वेदान्त तथा योगदर्शन

योगसूत्र – व्यास भाष्य सहित

इकाई– 1 – साधन पाद, सूत्र सं0 12 से 28 तक — 12 अंक

इकाई– 2 – साधन पाद, सूत्र सं0 29 से 55 तक — 12 अंक

विभूति पाद, 1–04

माण्डूक्योपनिषद, माण्डूक्यकारिकोपेत

इकाई 3– उपनिषद् भाग — 12 अंक

इकाई 4– कारिका भाग अध्याय 1 एवं 2 — 12 अंक

इकाई –5 कारिका भाग अध्याय 3 एवं 4 — 12 अंक

Paper III

Course Code SAN-568

Title of Course –शाङ्कर वेदान्त

ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य

इकाई– 1 आनन्दमयाधिकरण — 12 अंक

इकाई– 2 द्वितीय अध्याय प्रथम पाद — 12 अंक

1– स्मृत्यधिकरण 2–विलक्षणत्वाधिकरण 3– नप्रयोजनत्वाधिकरण

इकाई– 3 1– वैषम्यनैर्घृण्याधिकरण 2– अभावाधिकरण 3– एकस्मिन्नसंभवाधिकरण — 12 अंक

इकाई– 4 1–पत्यधिकरण 2– उत्पत्त्यसंभवाधिकरण — 12 अंक

इकाई– 5 चतुर्थ अध्याय का चतुर्थ पाद — 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester-4

Paper IV
Course Code SAN-513
Title of Course – निबन्ध, वाक्यपदीयम् शब्द दर्शन

सभी छात्रों के लिये अनिवार्य

इकाई - एक - संस्कृत भाषा में निबंध । 12 अंक

इकाई - दो - भर्तृहरिकृत वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड) कारिका एक से दस तक। 12 अंक

इकाई - तीन - भर्तृहरिकृत वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड) कारिका ग्यारह से बाइस तक। 12 अंक

इकाई - चार - विश्वनाथन्यायपञ्चाननकृत न्यायसिद्धांतमुक्तावली-शाब्दबोध-प्रक्रिया तथा शक्तिग्रह । 12 अंक

इकाई - पाँच - न्यायसिद्धांतमुक्तावली - पदभेद, लक्षण। विवेचन एवं वाक्य-स्वरूप-विचार । 12 अंक

Paper V
Course Code SAN-514
Title of Course – कवि एवं काव्य शास्त्र, षड्•करोत्तर वेदान्त

सभी छात्रों के लिये अनिवार्य

इकाई –1 कवियों का अध्ययन– भास,कालिदास, अश्वघोष, भवभूति, सुबन्धु 12 अंक

इकाई– 2 काव्य शास्त्रीय प्रवृत्तियाँ– रस, रीति,अलंकार,वक्रोक्ति, ध्वनि एवं औचित्य सम्प्रदायों का सैद्धान्तिक परिचय 12 अंक

इकाई –3 योगदर्शन, अष्टांगयोग, ईश्वर 12 अंक

इकाई– 4 षड्•करोत्तर वेदान्त विशिष्टाद्वैत 12 अंक

इकाई –5 षड्•करोत्तर वेदान्त अन्य वेदान्त सम्प्रदाय 12 अंक

Scanned with OKEN Scanner

Semester -IV
Paper -IV
Course Code -
Title of Course – वैयाकरण भूषणसार एवं वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी

इकाई – १ – वैयाकरण भूषणसार का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य, धात्वर्थ निर्णय
इकाई -२ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – आत्मनेपदप्रकरण
इकाई -३ - वैया. सिद्धान्तकौमुदी – परस्मैपदप्रकरण ,अव्ययीभाव समास प्रकरण
इकाई -४ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – तत्पुरुष समास प्रकरण
इकाई -५ - वैया.सिद्धान्तकौमुदी – बहुव्रीहि समास प्रकरण, द्वन्द्व समास प्रकरण

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ

(Text books/Reference/Resources)

1. वैयाकरणभूषणसार (भैमीभाष्योपेता), भीमसेन शास्त्री, वैद्यो भीमसेन शास्त्री, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1969
2. वैयाकरणभूषणसार, श्री. पं. गोपालशास्त्री नेने, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, पञ्चम संस्करण, 1981
3. वैयाकरणभूषणसार, डॉ. प्रभाकर मिश्र, प्र. अरविन्द मिश्र तथा मकरन्द मिश्र, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1982
4. वैयाकरणभूषणसार, पं. बालकृष्ण पञ्चोली तथा पं. हरिवल्लभशास्त्री, प्र. तर्केश्वर चतुर्वेदी शास्त्री, 1917
5. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996
6. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, भट्टोजिदीक्षित, चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990
7. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989

30.01.2023 30/1/2023 Jyoti Kapoor

Semester -IV
Paper -V
Course Code -
Title of Course - प्राच्य एवं नव्य व्याकरण

इकाई – १ – परिभाषेन्दुशेखर का परिचय एवं वैशिष्ट्य

इकाई -२ - (परिभाषेन्दुशेखर चयनित परिभाषाएं)
१-व्याख्यानतो.., २-यथोद्देशम्.., ३- कार्यकालम्.., ४- अनुबन्ध विषयक परिभाषाएं, ५- यदागम.., ६- निर्दिश्यमान.., ७- यत्रानेकविधम्.., ८- अर्थवत्ग्रहणे.., ९- गौणमुख्ययोः.., १०- प्रत्ययग्रहणेयस्मात्सः.., ११- संज्ञाविधौप्रत्ययग्रहणे.., १२- पूर्वपरनित्य..., १३- सकृद्गतौ.., १४- असिद्धम् बहिरङ्गमतरङ्गे.., १५- प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्ग..,

इकाई -३ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – अपत्यार्थ प्रकरण

इकाई -४ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – मत्वर्थीय प्रकरण

इकाई -५ - वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी – शैषिक प्रकरण

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ

(Text books/Reference/Resources)

1. काशिका, वामन-जयादित्य, सं. जयशङ्कर लाल त्रिपाठी, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, 1985
2. परिभाषेन्दुशेखर, नागेश भट्ट, व्या. आचार्य विश्वनाथ मिश्र,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016
3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996
4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, भट्टोजिदीक्षित, चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990

30.01.2023 3/11/2023 Jyoti Kapoor 3/2

Scanned with OKEN Scanner

5. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधर शर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989

(6)

Semester -IV
Paper -VI
Course Code –
Title of Course – व्याकरण शास्त्र का इतिहास

इकाई – १ – काशिकावृत्ति का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य,प्रत्याहारसूत्र, प्रथम अध्याय का प्रथम पाद १- ३६ सूत्र पर्यन्त

इकाई -२ - प्रथम अध्याय का प्रथम पाद ३७ - ७५ सूत्र पर्यन्त

इकाई – ३- पाणिनि पूर्व एवं पाणिनेतर व्याकरण तथा व्याकरण सम्प्रदाय

इकाई -४ - मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि)पाणिनीय परम्परा के दार्शनिक आचार्य भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि

इकाई -५ - अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनीय- व्याकरण में अष्टाध्यायी सूत्रानुसारी परम्परा एवं प्रक्रियानुसारी परम्परा।

अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रन्थ

(Text books/Reference/Resources)

1. मीमांसक, युधिष्ठिर – संस्कृतव्याकरणशास्त्र का इतिहास, सोनीपत, 1974
2. वर्मा, सत्यकाम – संस्कृतव्याकरण का उद्भव और विकास, दिल्ली
3. Vasu, S.C. Siddhantakaumudi (2 Vols.), Text and English Translation, Delhi
4. अग्निहोत्री, प्रभुदयाल–पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना, 1963
5. अग्रवाल, वासुदेवशरण –पाणिनिकालीन भारतवर्ष, पटना, 1969
6. Belvalkar, S.K. Systems of Sanskrit Grammar, Delhi.
7. Cardona, George. Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980

30.01.2023 30/1/2023 Jyoti Kapoor

Scanned with OKEN Scanner

8. Ray, Bidyut Lata. Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004 Schafe, H. Grammatical Literature (A History of Indian Literature

30/11/2023

30.01.2023

Jyoti Kapoor